उत्तर **पश्चिम** रेल्वे, जोधपुर

4

मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय
उत्तर पश्चिम रेल्वे, जोधपुर

No. 1 AT/Safety/Safety Circular-4/JU/2025 दिनांक 28.03.2025

सभी अधिकारी उ.प.रे. जोधपुर मण्डल, सभी स्टेशन अधीक्षक स्टेशन मास्टर, यातायात निरीक्षक, संरक्षा सलाहकार, यार्ड मास्टर, वरि.सेक्शन इंजीनियर(रेल पथ), वरि.सेक्शन इंजीनियर(संकेत), वरि.सेक्शन इंजीनियर(दूरसंचार), वरि.सेक्शन इंजीनियर (सवारी व माल) मुख्य लोको निरीक्षक मुख्य नियंत्रक कंट्रोल, मुख्य नियंत्रक कैरेज, मुख्य नियंत्रक कंट्रोल लोको, मुख्य नियंत्रक (दूरसंचार), मुख्य नियंत्रक (बिजली), प्रशिक्षक यातायात प्रशिक्षण स्कूल जोधपुर, गार्ड व चालक फ़ाइल जोधपुर, जैसलमेर, मेड़तारोड, बाड़मेर व समदड़ी, प्राचार्य डीजल प्रशिक्षण केंद्र भगत की कोठी।

मंडल संरक्षा परिपत्र - 04/2025

विषय :- खतरे की स्थिति में सिगनल को पार कर जाना ।

1. गाड़ी के चालक द्वारा बिना प्राधिकार किसी सिग्नल को खतरे की स्थिति में पार कर जाना एक सांकेतिक दुर्घटना है।
2. इन घटनाओ से भयंकर दुर्घटनाये होती है और मानव जीवन का अंत होता है या उससे विकलांगता आती है और सम्पति का नुकसान होता है।

SPAD के कारण :-

1. ड्यूटी पर हमेशा सतर्क न रहने – लोको पायलट प्रत्येक सिग्नल पर चाहे उसे उस सिग्नल को दिखाए जाने का कारण ज्ञात है या नही तत्काल ध्यान देगा और उसका पालन करेगा। लोको पायलट को सिगनलों पर ही पूरा विश्वास नही करना चाहिए बल्कि हमेशा सतर्क और सावधान रहेगा।
2. ड्यूटी के दौरान ध्यान भटक जाना :- जब लोको पायलट ड्यूटी पर आये तो उसे केवल ड्यूटी पर ही मन लगाना चाहिए, घरेलु या अन्य मामलों को पूरी तरह से ड्यूटी के समय भूल जाना चाहिए।
3. ड्यूटी पर आने से पहले पर्याप्त आराम न करना :- प्रत्येक लोको पायलट को ड्यूटी पर आने से पहले पर्याप्त आराम अवश्य करना चाहिए। क्योंकि पर्याप्त आराम करने पर ही सतर्कता से तथा दुर्घटना रहित गाड़ी परिचालन किया जा सकता है।
4. रनिंग रूम में पूरा आराम न करना :- रनिंग रूम आराम करने के लिए बनाये गए है जिससे कर्मचारी पूरा आराम करने के पश्चात दुर्घटना रहित सही ड्यूटी कर सके। आउट स्टेशन रेस्ट प्रत्येक रनिंग कर्मचारी को पूरा देना चाहिए।
5. ड्यूटी पर नशे की हालत में रहना :- प्रत्येक कर्मचारी की ड्यूटी है कि वह ड्यूटी पर ही नही बल्कि ड्यूटी शुरू होने के आठ घंटे से पहले तथा ड्यूटी समाप्त होने तक कोई भी नशे या इस प्रकार के पदार्थो का प्रयोग नही करेगा ।
6. ब्रेक पॉवर में कमी होना या उसकी जाँच न करना :- प्रत्येक गाड़ी के लोको पायलट को अपनी गाड़ी के ब्रेक पॉवर की जाँच अवश्य करनी चाहिए। यदि उसमे कमी है तो आवश्यक कार्यवाही करनी चाहिए। प्रत्येक लोको पायलट को कंटीन्यूटी टेस्ट, ब्रेक फील टेस्ट और ब्रेक पॉवर टेस्ट करना चाहिए।

Scanned with OKEN Scanner

7. इंजन कर्मीदल द्वारा सिगनलों के संकेत पुकार कर नही बताना :- सिग्नलों को सावधानी से देख कर ही कालिंग आउट करना चाहिए। प्रत्येक गाड़ी के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट को सिगनलो के संकेत को जोर से चिल्लाकर हाथ द्वारा संकेत देकर पुकारना चाहिए।
8. सिगनलों की सही पहचान नही करना :- सिगनलो की सही पहचान न होने पर दुर्घटना की संभावना रहती है। लोको पायलट द्वारा सिग्नलों की पहचान करने पर ही गाड़ी को आगे की ओर बढ़ाना चाहिए।
9. रोड लर्निंग सही तरीके से नही लेना :-सभी लोको पायलट/ सहायक लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर को रोड लर्निंग सही तरीके लेना चाहिए। अधिकारी व निरीक्षक यह सुनिश्चित करे कि रोड लर्निंग सही तरीके से ले लिया है और वह उस सेक्शन की जानकारी समझ गया है।
10. अपने ऊपर ज्यादा भरोसा करना :- किसी व्यक्ति द्वारा अपने ऊपर भरोसा करना अच्छी बात है किन्तु बहुत ज्यादा भरोसा करना खतरनाक हो सकता है।
11. लोको पायलट द्वारा गाड़ी पर नियंत्रण खो देना :- लोको पायलट को अपनी गाड़ी पर हमेशा नियंत्रण रखना चाहिए। इसके लिए अधिकृत लोड से ज्यादा लोड न होना तथा सही ब्रेक पॉवर का होना और कार्य के समय अत्यंत सतर्क एवं सावधान रहना बहुत जरुरी है।

अन्य आवश्यक बातें :-

1. लोको का प्रभार लेते समय लोको पायलट / सहायक लोको पायलट दोनों द्वारा आर.एस. वाल्व/ डी-1 आपातकालीन वाल्व के उचित कार्य की जांच की जानी चाहिए ।
2. लोको पायलट / सहायक लोको पायलट को गाड़ी रवाना होने से पहले आवश्यक सामान लाइन बॉक्स से निकाल लेना चाहिए तथा टर्मिनल स्टेशन / रिलीविंग पॉइंट पर पहुचने से पहले अपना सामान पैक करना शुरू नही करना चाहिए।
3. लोको पायलट / सहायक लोको पायलट ट्रेन चलाते समय दूसरी लाइन से गजुरने वाली ट्रेनों के कारण सिगनल का आदान – प्रदान करते समय विचलित होते हैं । लोको पायलट / सहायक लोको पायलट को ऐसी स्थिति में विशेष ध्यान रखना चाहिए और मुख्य रूप से अपने सिगनल की स्थिति पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए ।
4. यदि कोई सिगनल की दृश्यता खराब / बाधित है या उसे देखने में कोई अवरोध है, तो उसकी प्राथमिकता से रिपोर्ट करनी चाहिए ताकि अन्य चालक दल को परामर्श दिया जा सके ।
5. लोको पायलट / सहायक लोको पायलट को अतिरिक्त ड्यूटी घंटे की बुकिंग से बचना चाहिये।
6. यह सुनिश्चित करने के लिए औचक जाँच करनी चाहिए कि रनिंग ड्यूटी के दौरान लोको पायलट / सहायक लोको पायलट मोबाईल फोन का उपयोग नहीं कर रहे है।
7. घर पर गणुवत्ता पूर्ण आराम के महत्व को लोको पायलट / सहायक लोको पायलट और उनके परिवार को महसूस करना चाहिए ।
8. लोको पायलट / सहायक लोको पायलट को पीला सिगनल को पार करते समय किसी भी समय ट्रेन को रोकने के लिए तैयार रहना चाहिए , क्योकि अगला सिगनल लाल हो सकता है । सिगनल गुजरने तक उसका ध्यान रखे ।
9. ओवर स्पीडिंग और अति आत्मविश्वास से बचें ।

वरि. मण्डल संरक्षा अधिकारी
उ.प.रे. जोधपुर

प्रतिलिपि :- म.रे. प्रबन्धक व अ. म.रे. प्रबन्धक को सादर सूचनार्थ ।

Scanned with OKEN Scanner